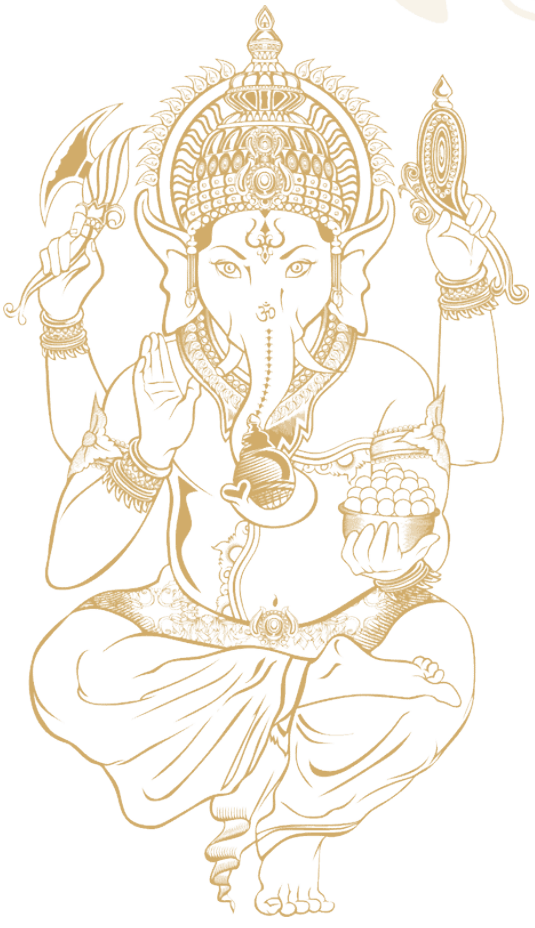

Kanak

aayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121506803

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
3-04/12/1998 :	जन्म तिथि	: 21-22/01/1999
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: गुरु-शुक्रवार
घंटे 03:25:00 :	जन्म समय	: 04:50:00 घंटे
घटी 51:09:42 :	जन्म समय(घटी)	: 54:01:24 घटी
India :	देश	: India
Ghaziabad :	स्थान	: Meerut
28:40:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:00:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:57:07 :	सूर्योदय	: 07:13:00
17:22:50 :	सूर्यास्त	: 17:48:03
23:50:20 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:29

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 4मा 0दि	01:19:37	तुला	लग्न	धनु	01:19:20	गुरु 2वर्ष 10मा 15दि
गुरु	17:41:25	वृश्चि	सूर्य	मक	07:37:51	बुध
05/04/2025	21:33:07	वृष	चंद्र	मीन	00:56:12	07/12/2020
05/04/2041	09:46:18	कन्या	मंगल	तुला	04:16:06	07/12/2037
गुरु 24/05/2027	12:20:57	वृश्चि व	बुध	धनु	28:59:19	बुध 06/05/2023
शनि 04/12/2029	25:01:47	कुंभ	गुरु	मीन	01:38:09	केतु 02/05/2024
बुध 11/03/2032	26:17:37	वृश्चि	शुक्र	मक	27:47:29	शुक्र 03/03/2027
केतु 15/02/2033	03:31:38	मेष व	शनि	मेष	03:25:34	सूर्य 07/01/2028
शुक्र 17/10/2035	01:17:19	सिंह व	राहु	कर्क	28:21:38	चन्द्र 07/06/2029
सूर्य 04/08/2036	01:17:19	कुंभ व	केतु	मक	28:21:38	मंगल 05/06/2030
चन्द्र 04/12/2037	15:51:03	मक	हर्ष	मक	18:16:29	राहु 22/12/2032
मंगल 10/11/2038	06:18:53	मक	नेप	मक	08:00:00	गुरु 30/03/2035
राहु 05/04/2041	14:13:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:55:48	शनि 07/12/2037

लग्न-चलित

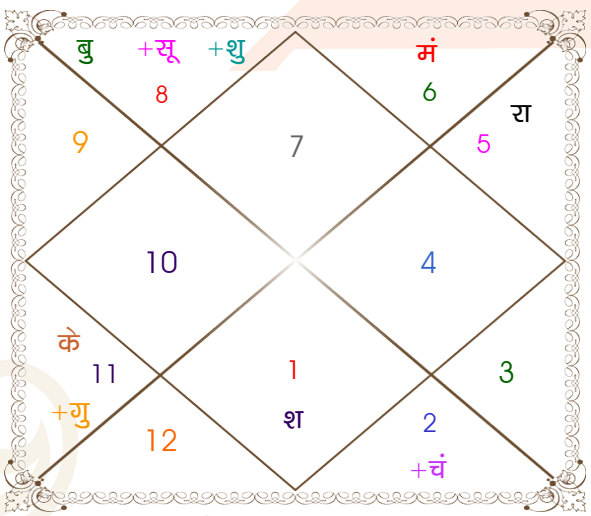

लग्न-चलित

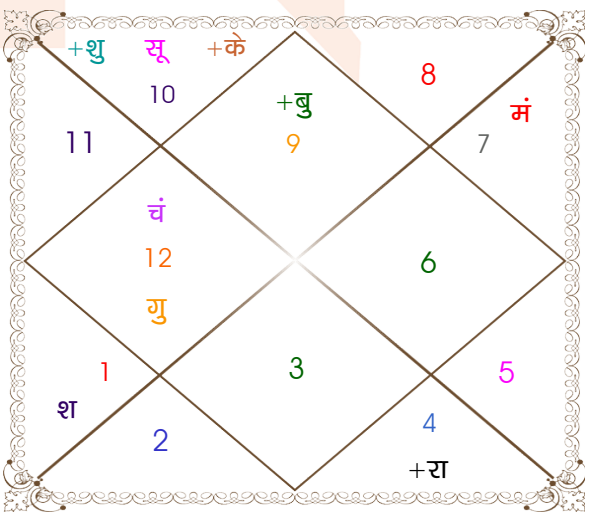

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

झंदा का वर्ग मृग है तथा aayushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंदा और aayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

झंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल झंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

aayushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल aayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झंदा तथा aayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।